Divya Himachal 02-04-2026

42 प्राइवेट स्कूलों को नोटिस

फीस जमा न करवाने पर बोर्ड सख्त, छह अप्रैल तक दिया मौका

सिटी रिपोर्टर- धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने राज्य मुक्त विद्यालय एसओएस के तहत चल रहे 42 निजी अध्ययन केंद्रों को नवीकरण शुल्क जमा न करने पर बुधवार को अंतिम चेतावनी जारी की है। साथ ही साथ बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि सभी संबंधित केंद्रों को सोमवार छह अप्रैल 2026 तक लंबित शुल्क हर हाल में जमा करना होगा, अन्यथा उनकी मान्यता तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी जाएगी। बतादें कि कांगड़ा जिला में सबसे अधिक 18 अध्ययन केंद्र डिफॉल्टर पाए गए हैं। इनमें अवर ओन इंग्लिश स्कूल शाहपुर, सनराइज व्यू पब्लिक स्कूल खरौठ, हंसराज स्कूल रेहन और स्वर्ण पब्लिक स्कूल नगरोटा बगवां जैसे और भी प्रमुख संस्थान शामिल हैं। इन स्कूलों पर करीब 11 हजार से 26 हजार रुपए तक का नवीकरण शुल्क बकाया है। सोलन जिला के चार, ऊना के दो तथा बिलासपुर, चंबा, कुल्लू, शिमला और सिरमौर जिलों के भी कई अध्ययन केंद्र डिफॉल्टर सूची में हैं। हमीरपुर के छह स्कूलों में आर्यन पब्लिक स्कूल, सेंट सोल्जर कॉन्वेंट और इंडस वैली पब्लिक स्कूल प्रमुख हैं, जबकि मंडी के सात केंद्रों में गुरुकुल पब्लिक स्कूल, वैदिक पब्लिक स्कूल और शिक्षा भारती मॉडल स्कूल शामिल हैं।

- 11 हजार से 26 हजार रुपए करवाने होंगे डिपॉजिट, वरना रद्द हो जाएगी मान्यता

बोर्ड सचिव बोले

बोर्ड सचिव डा. मेजर विशाल शर्मा ने कहा कि बार-बार नोटिस देने के बावजूद कई संस्थानों ने वर्ष 2022 से 2026 तक का शुल्क जमा नहीं किया है, जो गंभीर लापरवाही है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि यह सोमवार तक अंतिम अवसर है और निर्धारित तिथि के बाद किसी भी प्रकार का आग्रह स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा कार्रवाई के लिए संबंधित स्कूल प्रबंधन स्वयं जिम्मेदार होगा।

Dainik Jagran 02-04-2026

30 अप्रैल से पहले आएंगे शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं के परिणाम

दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा वर्ष में दो बार होगी, सुधार का मिलेगा मौका

जागरण संवाददाता, चंबा : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने कहा कि 10वीं व 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम 30 अप्रैल से पहले घोषित कर दिया जाएगा ताकि बच्चों का शैक्षणिक सत्र प्रभावित न हो। मूल्यांकन प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए पूरे प्रदेश में 41 मूल्यांकन केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों पर उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन तेजी और निष्पक्षता के साथ किया जा रहा है।

डा. राजेश शर्मा ने बुधवार को चंबा में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत शैक्षणिक सत्र 2025-26 से हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड दसवीं कक्षा की वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा संचालित करेगा। पहली परीक्षा फरवरी-मार्च में मुख्य परीक्षा के रूप में और दूसरी परीक्षा जून-जुलाई में सुधार परीक्षा के रूप में संचालित की जाएगी। मुख्य परीक्षा के आधार पर विद्यार्थियों को तीन श्रेणियों आवश्यक सुधार, वैकल्पिक सुधार और अनिवार्य पुनरावृत्ति में वर्गीकृत किया जाएगा। आवश्यक सुधार श्रेणी वाले छात्रों को दो विषयों में सुधार का अवसर

स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश बोले, तीन विषयों से कम में उत्तीर्ण न होने वाले दूसरी परीक्षा के पात्र नहीं होंगे

चंबा के एक होटल में बुधवार को बोर्ड परीक्षाओं पर पत्रकारों से बातचीत करते हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ● जागरण

मिलेगा जबकि सभी विषयों में पास विद्यार्थी तीन विषयों तक वैकल्पिक सुधार परीक्षा दे सकेंगे। तीन विषयों से कम में उत्तीर्ण न होने वाले विद्यार्थी दूसरी परीक्षा के पात्र नहीं होंगे। अब परिणाम जल्द आएंगे, असंतुष्ट छात्रों को उसी सत्र में सुधार का मौका मिलेगा और करियर चुनने में भी विशेषज्ञ मार्गदर्शन दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि छात्रों के मानसिक दबाव को कम करने के उद्देश्य से बोर्ड ने महत्वपूर्ण पहल करते हुए 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों को जून में पुनः परीक्षा देने का अवसर प्रदान करने का निर्णय लिया है। पहले यह सुविधा सितंबर में मिलती थी, जिससे छात्रों का एक वर्ष प्रभावित होता था। अब जून में होने वाली परीक्षा के अंक मार्च के परिणामों के साथ जोड़े जाएंगे, जिससे छात्रों को तत्काल सुधार का अवसर मिलेगा। परिणाम घोषित होने के बाद बोर्ड की ओर से विशेष करियर काउंसलिंग कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। इस कार्यक्रम के तहत आइआइटी के विद्यार्थी, चिकित्सक और सेवानिवृत्त आइएएस अधिकारी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन देंगे। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को उनकी रुचि और क्षमता के अनुसार सही करियर चुनने में सहायता प्रदान करना है। बोर्ड परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पहली बार लाइव मानिटरिंग व्यवस्था लागू की गई। इससे नकल के मामलों में कमी आई है। जहां कहीं भी अनियमितता पाई गई, वहां तुरंत कार्रवाई करते हुए संबंधित शिक्षकों और परीक्षा केंद्रों को निलंबित किया गया है।

मूल्यांकन के लिए >> संपादकीय

राजेश शर्मा बोले, पुस्तकों के वितरण में न हो देरी

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष ने सरोल में पुस्तक डिपो का किया निरीक्षण, कन्या स्कूल में बनाए गए परीक्षा केंद्र में जांची व्यवस्था

जागरण संवाददाता, चंबा : प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बुधवार को चंबा दौरे के दौरान शिक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला में संचालित बोर्ड परीक्षा का निरीक्षण किया। इस दौरान 12वीं कक्षा की म्यूजिकल विषय की परीक्षा आयोजित हो रही थी। परीक्षा केंद्र पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और परीक्षा संचालन की प्रक्रिया को परखा।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र में बैठने की व्यवस्था, गोपनीयता, अनुशासन तथा निगरानी प्रणाली का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों और शिक्षकों को निर्देश दिए कि परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संचालित की जाए, ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

इसके उपरांत चंबा के परेल स्थित पुस्तक डिपो का भी निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि चंबा का यह डिपो प्रदेश का सबसे बड़ा पुस्तक भंडारण केंद्र है, जहां से दूरदराज क्षेत्रों के विद्यालयों तक पाठ्यपुस्तकों की आपूर्ति की जाती है। उन्होंने डिपो में रखे अभिलेखों और वितरण व्यवस्था की जांच की। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विद्यालयों तक पाठ्यपुस्तकें समय पर पहुंचाई जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुस्तक वितरण में किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों को प्राथमिकता के आधार पर कवर किया जाए, ताकि वहां के विद्यार्थियों को समय पर अध्ययन सामग्री उपलब्ध हो सके।

शिक्षकों और कर्मचारियों से अपील की कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी गंभीरता और ईमानदारी से करें। उन्होंने कहा कि बोर्ड का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाना और विद्यार्थियों को हर स्तर पर सुविधा प्रदान करना है।

बुधवार को चंबा दौरे के दौरान परेल स्थित पुस्तक डिपो का निरीक्षण करते हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा, उन्होंने वितरण संबंधी निर्देश दिए • जागरण

Divya Himachal
02-04-2026

विद्यार्थियों को जून में दोबारा मिलेगा परीक्षा देने का मौका

दिव्य हिमाचल ब्यूरो-चंबा

- चंबा में बोर्ड परीक्षाओं को लेकर बोर्ड अध्यक्ष ने किया खुलासा

राजेश शर्मा

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डा. राजेश शर्मा ने कहा है कि इस बार बोर्ड संचालित दसवीं व 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणामों को 30 अप्रैल से पहले घोषित करने का लक्ष्य रखा गया है। मूल्यांकन प्रक्रिया को पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए पूरे प्रदेश में 41 मूल्यांकन केंद्र स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों के मानसिक तनाव को कम करने के लिए एक बड़ी पहल की है। अब दसवीं के छात्र जिन्हें लगता है कि वे बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे वे जून में दोबारा परीक्षा दे सकेंगे। पहले यह अवसर सितंबर में मिलता था, जिससे छात्रों का साल खराब हो जाता था। अब जून की परीक्षा के अंकों को मार्च के परीक्षा परिणामों के साथ ही जोड़ा जाएगा। वह बुधवार को मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। डा. राजेश शर्मा ने कहा कि परिणाम घोषित होने के बाद छात्रों को भविष्य की राह चुनने में मदद करने के लिए बोर्ड एक करियर काउंसिलिंग प्रोग्राम शुरू करने जा रहा है।

पुस्तक डिपो का निरीक्षण

डा. राजेश शर्मा ने राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला और बोर्ड के स्थानीय पुस्तक डिपो का निरीक्षण भी किया है। उन्होंने कहा कि चंबा डिपो हिमाचल का सबसे बडा डिपो है और दूरदराज के क्षेत्रों में समय पर पुस्तकें पहुंचाना बोर्ड की प्राथमिकता है। डा. राजेश शर्मा ने शिक्षकों से भी आग्रह किया कि वे मूल्यांकन केंद्रों पर अपनी ड्यूटी को प्राथमिकता दें, ताकि छात्रों का भविष्य समय पर सुरक्षित किया जा सके। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य बोर्ड को नई ऊंचाइयों पर ले जाना और छात्रों को हरसंभव सहायता प्रदान करना है।

बोर्ड परीक्षाएं समाप्त, मूल्यांकन आज से

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला द्वारा आयोजित दसवीं व जमा दो कक्षाओं की वार्षिक परीक्षाएं अब सफलतापूर्वक बुधवार को संपन्न हो चुकी हैं। बुधवार को जमा दो कक्षा की परीक्षाओं के समाप्त होने के साथ ही परीक्षा प्रक्रिया पूरी हो गई है। बता दें कि बोर्ड ने अब उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य की तैयारियां पूरी कर ली हैं, जो आज गुरुवार से शुरू किया जाएगा। बोर्ड सचिव डा. मेजर विशाल शर्मा ने बताया कि परीक्षा समाप्ति के बाद उत्तरपुस्तिकाओं को प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से दो चरणों में मूल्यांकन केंद्रों तक पहुंचाया जा रहा है। पहले चरण की शिपिंग पूरी हो चुकी है और अब कॉपियों को जांच के लिए तैयार किया जा रहा है। बोर्ड का लक्ष्य है कि उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य समय पर पूरा कर 30 अप्रैल तक दोनों कक्षाओं का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया जाए। इसके लिए बोर्ड द्वारा पूरी योजना के साथ कार्य किया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों को समय पर उनका रिजल्ट मिल सके।

Himachal Dastak
02-04-2026

बोर्ड की विश्वसनीयता को बनाए रखना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता : डॉ. राजेश

हिमाचल दस्तक ब्यूरो ▪ चंबा

▪ चंबा में प्रेसवार्ता में बोले स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष

बोर्ड की विश्वसनीयता को बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व और मार्गदर्शन में उनके प्रयास जारी है। यह बात जिला मुख्यालय चंबा में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने कही।

उन्होंने कहा कि जबसे उन्होंने बोर्ड के अध्यक्ष के तौर कार्य भार संभाला है। इसके बाद हिमाचल प्रदेश के एजुकेशन सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए कुछ अहम निर्णय भी लिए गए हैं, जिसके साकारात्मक परिणाम आगामी दिनों में आने वाले हैं। उन्होंने सीबीएसई पैटर्न का जिक्र करते हुए कहा मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली हिमाचल सरकार चाहती है कि हिमाचल प्रदेश के बच्चों को क्वालिटी एजुकेशन मिलें। इसीलिए कुछ स्कूलों को इस बोर्ड से जोड़ा गया है। चूंकि हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड और सीबीएसई बोर्ड का सिलेबस एनसीईआरटी ही है। बहरहाल हिमाचल प्रदेश के एजुकेशन सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए इस तरह की शुरुआत काफी मायने रखती है। उन्होंने बोर्ड के एग्जाम का जिक्र करते हुए कहा कि इस बार एकदम पारदर्शी तरीके से एग्जाम कंडक्ट करवाए गए हैं। बोर्ड परीक्षा में नकल पर पूरी तरह से अंकुश रहा, जहां पर नकल

करवाने का प्रयास किया गया, वहां के स्टाफ पर एक्शन भी लिया गया ताकि नकल करने वाले की बजाय मेहनती स्टूडेंट्स को ही आगे आने का सुअवसर मिलें।

उन्होंने बोर्ड परीक्षा के रिजल्ट का जिक्र करते हुए कहा कि तीस अप्रैल से पहले रिजल्ट घोषित करने की योजना है ताकि अगले शैक्षणिक सत्र में योजनाबद्ध तरीके से स्टूडेंट्स एडमिशन हासिल कर सकें। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की इस तरह के स्टूडेंट्स के मार्गदर्शन के लिए विशेष मोटीवेशनल कार्यक्रम भी आयोजित करने की योजना है, जिसमें प्रोफेशनल एप्रोच रखने वाले शिक्षाविद और सेवानिवृत्त आईएएस अफसरों को आमंत्रित किया जाएगा।

Amar Ujala 02-04-2026

विद्यार्थियों को राहत, दसवीं की अनुपूरक परीक्षा अब जून में होगी

बोर्ड ने शेड्यूल बदला, पहले सितंबर में परीक्षा से एक साल होता था बर्बाद

संवाद न्यूज एजेंसी

चंबा। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड पहली बार जून माह में दसवीं कक्षा के लिए रि-अपीयर परीक्षा करवाएगा। इससे पहले अनुपूरक (रि-अपीयर) परीक्षा सितंबर में होती थी। इसके चलते बच्चों का एक वर्ष खराब हो जाता था। बोर्ड ने बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए अब जून में दसवीं कक्षा की रि-अपीयर परीक्षा आयोजित करने का फैसला लिया है।

चंबा में आयोजित प्रेस वार्ता में हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने ये जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के हितों और उनके कॅरिअर को ध्यान में रखते हुए बोर्ड पहली बार स्कूलों में कॅरिअर काउंसिलिंग से बच्चों का मार्गदर्शन करेगा।

प्रदेश भर में दसवीं और जमा दो की परीक्षाओं से पहले विद्यार्थियों को शांत मन से परीक्षा देने के दिप्स दिए गए। उन्होंने बताया कि 23 मार्च से 1 अप्रैल तक प्रदेशभर में बोर्ड परीक्षाएं आयोजित की गईं। परीक्षा केंद्रों की लाइव मॉनिटरिंग सुबह 10:00 से दोपहर 1:00 बजे तक की गई, जिससे नकल के मामलों में कमी आई है। ज्वालाजी स्थित एक केंद्र में नकल का मामला सामने आने पर पूरे स्टाफ को बदल दिया गया।

दसवीं और जमा दो की वार्षिक परीक्षाओं का परिणाम 30 अप्रैल तक घोषित करने का लक्ष्य रखा है। साथ ही प्रयास रहेगा कि परिणाम दो सप्ताह के भीतर ही घोषित कर दिया जाए, जिसमें सभी अध्यापकों का सहयोग आवश्यक है। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि परेल स्थित शिक्षा बोर्ड की किताबों का डिपो सबसे बड़ा है। यहां से जिले के सरकारी स्कूलों में किताबें भेजी जाती हैं। उन्होंने कहा कि डिपो में बेहतर प्रबंधन की व्यवस्था की जाएगी।

10वी और 12वीं के पेपरों का मूल्यांकन आज से

चंबा। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि वार्षिक परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए स्पॉट मूल्यांकन केंद्रों के प्रथम चरण का शुभारंभ वीरवार से होगा। इस चरण में मैट्रिक के अंग्रेजी, गणित, विज्ञान एवं हिंदी और जमा दो कक्षा के अंग्रेजी, भौतिकी, जीवविज्ञान, लेखा, अर्थशास्त्र, हिंदी एवं संस्कृत विषयों का मूल्यांकन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी जिला उप-निदेशालयों की ओर से नियुक्त शिक्षकों को निर्देशित किया है कि वे स्पॉट मूल्यांकन केंद्रों पर ड्यूटी समयबद्ध, जिम्मेदारीपूर्वक एवं पूर्ण निष्ठा के साथ सुनिश्चित करें। संवाद

लीट 17, पैट 24 मई को

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा बोर्ड ने बहुतकनीकी प्रारंभिक प्रवेश परीक्षा (पैट) और लेटरल एंट्री परीक्षा (लीट) की तिथियां घोषित कर दी हैं। पैट 17 मई और लीट 24 मई को आयोजित की जाएगी। दोनों परीक्षाएं सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक होंगी।

तकनीकी बोर्ड के सचिव अशोक पाठक ने बताया कि अभ्यर्थी डिप्लोमा इंजीनियरिंग के प्रथम वर्ष और डायरेक्ट दूसरे वर्ष में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए अभ्यर्थियों को बोर्ड की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। पैट के लिए पांच मई और लीट के लिए छह मई तक ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। निर्धारित समय सीमा में आवेदन न करने वाले अभ्यर्थी प्रथम और द्वितीय चरण की ऑनलाइन काउंसलिंग में शामिल नहीं हो सकेंगे। ब्यूरो

02 APRIL , 2026 THURSDAY Dharamshala

The Sunny Times

CHAIRMAN DR. RAJESH SHARMA MANDATES ABSOLUTE CONFIDENTIALITY IN BOARD GRADING

Sunny Mahajan I Dharamshala

The academic machinery of Himachal Pradesh has shifted into high gear as the State Board of School Education officially launched the first phase of spot evaluation for annual examination answer sheets today, April 2, 2026. Board Chairman Dr. Rajesh Sharma announced the commencement of this critical operation, marking a decisive step toward the timely declaration of student results across the state.

This opening salvo of the evaluation process targets the heavyweights of the curriculum. For Matriculation students, the focus is squarely on English, Mathematics, Science, and Hindi. Meanwhile, the Plus Two evaluation centers are buzzing with the processing of English, Physics, Biology, Accountancy, Economics, Hindi, and Sanskrit papers. By prioritizing these core subjects, the Board aims to clear the path for a streamlined grading season.

Dr. Sharma has laid down a clear mandate for the teaching workforce. With educators appointed by district sub-directorates now descending upon spot evaluation centers, the Chairman's message was one of uncompromising professional rigor. He emphasized that punctuality is not merely a suggestion but a requirement, urging every teacher to approach their post with a deep sense of responsibility and unwavering integrity.

The bedrock of this entire operation remains absolute confidentiality. Dr. Sharma issued a stern reminder that the sanctity of the evaluation process is non-negotiable. Educators are expected to adhere strictly to the Board's established protocols, ensuring that every mark awarded is a reflection of merit, shielded from any external influence or breach of privacy.

Looking ahead, the Chairman expressed profound confidence in the state's teaching community. He noted that the success of the Board's commitment to a swift and fair result declaration rests on the shoulders of these evaluators. By championing transparency and discipline, the Board intends to honor the hard work of thousands of students, delivering a final tally that is as accurate as it is punctual. This isn't just about grading papers; it is about upholding the gold standard of Himachal's educational excellence.